राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

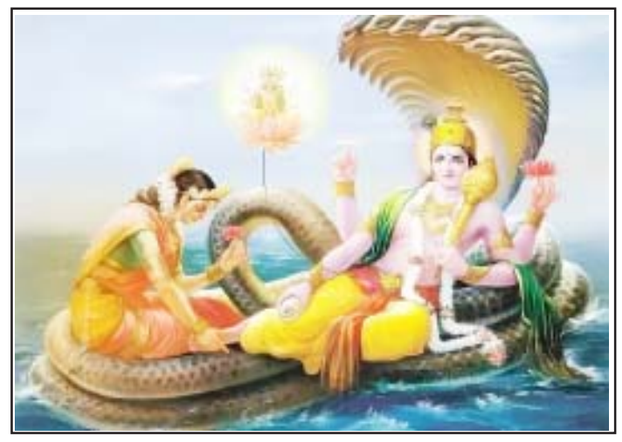

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 311 | जौनपुर | मंगलवार, 01 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली हाट अग्निकांड के प्रभावित शिल्पकारों को मिलेंगे पांच–पांच लाख रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि 30 अप्रैल को दिल्ली हाट में लगी आग में जलकर खाक हुई 24 दुकानों के मालिकों को दिल्ली सरकार पांच–पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगी। मिश्रा ने कहा कि इसके अलावा सभी प्रभावित शिल्पकारों को आईएनए स्थित दिल्ली हाट में छह महीने के लिए एक जुलाई से 31 दिसंबर तक निःशुल्क स्टॉल आवंटित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लॉटरी प्रणाली के जरिए आवंटन किया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पहले ही प्रत्येक प्रभावित कारीगर के लिए पांच–पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि सहायता के लिए स्वीकृति दे दी गई है और कुल 1.20 करोड़ रुपये की राहत राशि जल्द ही वितरित की जाएगी। मिश्रा ने कहा, ''हमारी सरकार शिल्पकारों के हितों की रक्षा करने और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जयशंकर तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर क्वाड समूह के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुचेंगे। अमेरिका यात्रा के दौरान विदेशमंत्री स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत के लिए एक साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के नए प्रस्तावों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि जयशंकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के आमंत्रण पर 30 जून से दो जुलाई तक अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे। इसमें कहा गया है कि एक जुलाई को होने वाली क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक, 21 जनवरी को वाशिंगटन में हुई पूर्व बैठक में हुई चर्चाओं पर आधारित होगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''वे क्षेत्रीय और वैश्विक विकास, विशेष रूप से हिंद–प्रशांत क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर विचारों का आदान–प्रदान करेंगे। भारत द्वारा आयोजित क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले विभिन्न क्वाड पहलों पर हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे।'' इसमें कहा गया है कि मंत्रियों द्वारा स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नए प्रस्तावों पर भी विचार–विमर्श किए जाने की संभवना है। क्वाड में भारत के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान सदस्य हैं। यह एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है, जो हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। जयशंकर 30 जून को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में ''ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म'' नामक एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मेधावियों को खुद बांटे गोल्ड मेडल

बरेली, (एजेंसी)। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली में सोमवार को आयोजित 11वें दीक्षांत समारोह में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं. सुबह लगभग 9:50 बजे उनका विमान बरेली के त्रिशूल एयरबेस पर उतरा, जहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका भव्य स्वागत किया. इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे, जिससे कार्यक्रम की महत्ता और अधिक बढ़ गई.। तेज बारिश के बावजूद राष्ट्रपति मुर्मू का विमान त्रिशूल एयरबेस पर समय से उतरा और वे सीधे आईवीआरआई के स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं. वहां आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्होंने बीवीएससी, एमवीएससी और पीएचडी के आठ मेधावी विद्यार्थियों को अपने कर–कमलों से डिग्री व गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया. यह पल इन विद्यार्थियों के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बना. सम्मानित होने वालों में डॉ. तान्या चौधरी, डॉ. अतुल प्रताप सिंह (स्नातक), डॉ. नवजोत सिंह ठाकुर, डॉ. सेलस सीएम, डॉ. खुशबू चौधरी (मास्टर्स) और डॉ. राजकुमार पटेल, डॉ. मेघा शर्मा, डॉ. अमिता बानू (डॉक्टरेट) शामिल थे. सभागार में राष्ट्रपति के भाषण के दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों ने जोरदार तालियों से स्वागत किया.। इस भव्य दीक्षांत समारोह में कुल 576 विद्यार्थियों को विभिन्न उपाधियों से नवाजा गया. इनमें 41 विद्यार्थियों को बीवीएससी एंड एएच, 328 को एमवीएससी और 207 को पीएचडी की डिग्रियां प्रदान की गईं. समारोह के दौरान विद्यार्थियों के लिए एक पारंपरिक ड्रेस कोड निर्धारित किया गया था छात्र सफेद कुर्ता–पायजामा में और छात्राएं लाल बॉर्डर वाली सफेद साड़ी में नजर आईं, जिससे समारोह में अनुशासन और संस्कृति का अद्वितीय समन्वय देखने को मिला. विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में जबरदस्त उत्साह दिख। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क रहा. उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शहर के दो निजी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और प्टत्प परिसर को विशेष सेफ हाउस घोषित किया गया. यहां चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और आवश्यक दवाइयों की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की गई. राष्ट्रपति के काफिले में दो ।स्ै एंबुलेंस भी तैनात रहीं, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार थीं. सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश था कि राष्ट्रपति की वापसी तक सभी चिकित्सा अधिकारी सतर्क और मुस्तैद रहें। वीवीआईपी मूवमेंट और सुरक्षा कारणों के चलते बरेली में ट्रैफिक व्यवस्था को विशेष रूप से नियंत्रित किया गया. सुबह 4 बजे से शाम 4 बजे तक कई मार्गों पर वाहनों का डायवर्जन लागू किया गया. हल्के और भारी वाहनों का प्रवेश कई मुख्य मार्गों पर पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया था. शहर के महत्वपूर्ण चौराहों और रास्तों पर फूलों से सजावट की गई, जो कार्यक्रम को खास बना रही थी. आमजन को भी ट्रैफिक में किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन की ओर से सूचना प्रसारित की गई। राष्ट्रपति के आगमन और कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सख्त रही। लगभग 1200 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई

थी. शनिवार को आईवीआरआई परिसर में एडीजी सुरक्षा रघुबीर लाल, एडीजी बरेली जोन रमित शर्मा, कमिश्नर सौम्या अग्रवाल और डीआईजी अजय साहनी की मौजूदगी में फोर्स की ब्रीफिंग की गई. जिलाधिकारी अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन और प्रोटोकॉल को लेकर स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए।

वक्फ विरोधी रैली को लेकर राजद–कांग्रेस पर भड़की भाजपा

पटना, (एजेंसी)। वक्फ कानून पर बीजेपी ने विपक्ष पर हमला किया है. बीजेपी प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने दिल्ली में विपक्ष निशाना साधते हुए कहा कि रविवार को बिहार में संविधान का मजाक उड़ाया गया. उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन संविधान के खिलाफ है. संविधान का सम्मान जरूरी है. संविधान को तार–तार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि राजद और सपा का समाजवाद, नमाजवाद है. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंकने की बात कही. संविधान को कूड़ेध्दान में नहीं फेंकने देंगे. देश में मौलवी स्क्रिप्ट का प्रपंच हो रहा है. ये लोग संविधान को मौलवी स्क्रिप्ट में बदलना चाहते हैं. ये बिहार में शरिया कानून लाना चाहते हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, "हाल ही में भारत के लोकतांत्रिक इतिहास

के सबसे भयावह अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हुए, लेकिन यह बेहद दुखद है कि कल पटना के उसी गांधी मैदान में, जहां आपातकाल के दौरान लाखों लोग संविधान की रक्षा के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना जुटे थे, एक रैली आयोजित की गई जिसमें तेजस्वी यादव ने कहा कि हम संसद द्वारा पारित कानून को कूड़ेदान में फेंक देंगे. उन्होंने वक्फ एक्ट के बारे में कहा कि हम इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि इसे भारतीय संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया है. इसका मतलब है कि संसद, न्यायपालिका के प्रति कोई सम्मान नहीं है. तेजस्वी यादव और महागठबंधन के अन्य नेताओं ने वोट बैंक के चक्कर में जो कुछ भी कहा है, उससे यह स्पष्ट है कि वे संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की 50 साल पुरानी मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं।

फाइटर जेट खोने के दावे पर कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बार फिर से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है. कांग्रेस ने फिर से सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने पाकिस्तान के साथ संघर्ष में फाइटर जेट के नुकसान की बात देश से छुपाई. इस बार कांग्रेस ने इंडोनेशिया में भारत के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की कथित टिप्पणी का हवाला दिया है. जिसमें कथित रूप से दावा किया गया है कि कि भारतीय वायु सेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के हाथों अपने लड़ाकू विमानों का नुकसान उठाना पड़ा. हालांकि रक्षा अताशे को लेकर चल रही खबर को भारतीय दूतावास ने गलत बताया है.। कांग्रेस ने सरकार पर इस मामले में देश को ''गुमराह'' करने का आरोप लगाया.

पार्टी ने यह भी पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष को विश्वास में लेने के लिए सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने से क्यों इनकार कर रहे हैं और संसद के विशेष सत्र की मांग क्यों खारिज कर दी गई? कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें कैप्टन शिवकुमार (भारतीय नौसेना) के हाल ही में इंडोनेशिया में दिए गए एक संबोधन का हवाला दिया गया है. इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, "हमने इंडोनेशिया में भारत के रक्षा अताशे द्वारा एक सेमिनार में दिए गए प्रेजेंटेशन के बारे में मीडिया रिपोर्ट देखी हैं. उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से हटकर उद्धृत किया गया है, और मीडिया रिपोर्ट वक्ता द्वारा दिए गए प्रेजेंटेशन के उद्देश्य और उद्देश्य को गलत तरीके से प्रस्तुत करती हैं. प्रेजेंटेशन में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना था, और भारतीय प्रतिक्रिया गैर–उग्रवादी थी." कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) सिंगापुर में महत्वपूर्ण खुलासे करते हैं. फिर एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी इंडोनेशिया में ऐसे ही दावे करते हैं.'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''लेकिन प्रधानमंत्री सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने और विपक्ष को विश्वास में लेने से क्यों इनकार कर रहे हैं?

शिवकुमार-सिद्धरमैया विवाद के बीच खरगे का बड़ा बयान

कर्नाटक, (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक एच ए इकबाल हुसैन ने उस दावे के बाद भारी राजनीतिक सरगर्मी तेत हो गई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों के अंदर राज्य का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है. विधायक के बयान के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का भी बयान सामने आया है. डीके शिवकुमार के साथ मतभेदों की अटकलों के बीच कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, "हमारी सरकार चट्टान की तरह 5 साल तक चलेगी। कर्नाटक में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच विवाद की खबरों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नेतृत्व

परिवर्तन पर बड़ा बयान दे दिया है. उन्होंने कहा, "यह पार्टी हाईकमान के हाथ में है. कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान में क्या चल रहा है. यह हाईकमान पर छोड़ दिया गया है और उन्हें आगे की कार्रवाई करने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी अनावश्यक रूप से समस्या पैदा नहीं करनी चाहिए.। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला के दौरे ने हलचल तेज कर दी है. हालांकि सुरजेवाला के दौरे पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "सुरजेवाला राज्य में आए हैं. वह पूछेंगे कि क्या चल रहा है और जो कुछ हुआ है, उसके बारे में जानकारी जुटाएंगे. उसके आधार पर हम देखेंगे कि आगे क्या करने की जरूरत है. "। इससे पहले सोमवार को रणदीप सुरजेवाला के दौरे को संबोधित करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जोर देकर कहा कि वह पार्टी संगठन को मजबूत करने आए हैं. कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, "वह संगठन को मजबूत करने के लिए राज्य में आ रहे हैं. वह अपना काम करेंगे."। डीप्टी सीएम डीके शिवकुमार के करीबी माने जाने वाले विधायक एच ए इकबाल हुसैन से जब पूछा गया कि क्या शिवकुमार के पास मुख्यमंत्री बनने का मौका है, तो हुसैन ने कहा था, ''आप सभी जानते हैं कि इस सरकार के सत्ता में आने से पहले हमारी (कांग्रेस की) ताकत क्या थी. इस जीत को हासिल करने के लिए किसने संघर्ष किया,।

अखिलेश यादव के निशाने पर आए पंडित धीरेंद्र शास्त्री

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक गैर–ब्राह्मण कथावाचक पर हमले को लेकर चल रहे विवाद के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने धार्मिक नेता आचार्य धीरेंद्र शास्त्री पर कटाक्ष किया और कहा कि कई कथावाचक ऐसे हैं जो 50 लाख रुपये लेते हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कई कथावाचक एक आयोजन के लिए 50 लाख रुपये लेते हैं। क्या कोई धीरेंद्र शास्त्री को अपने घर पर कथा (धार्मिक समारोह) के लिए रख सकता है? वह पैसे गुप्त रूप से लेते हैं। यादव ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि बागेश्वर बाबा के नाम से मशहूर शास्त्री कहानी सुनाने के लिए कितना शुल्क लेते हैं, लेकिन उन्होंने दावा किया कि यह मुफ्त नहीं है। शास्त्री की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अखिलेश यादव को वायरल हो रहे एक वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है, ष्कई कथावाचक हैं जो 50 लाख रुपये लेते हैं। क्या कोई धीरेंद्र शास्त्री को अपने घर कथा के लिए बुला सकता है? वह बाबा टेबल के नीचे पैसे लेगा।

कृपया पता करें कि वह ऐसा करता है या नहीं। मुझे यकीन है कि वह यह सब मुफ्त में नहीं करता होगा।ष धीरेंद्र शास्त्री एक स्वयंभू आध्यात्मिक उपदेशक हैं जो पिछले कुछ सालों में सनसनी बन गए हैं। इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक धीरेंद्र शास्त्री की ओर से अखिलेश यादव की टिप्पणी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कोलकाता बलात्कार को लेकर भाजपा ने मांगा ममता बनर्जी से इस्तीफा

कोलकाता, (एजेंसी)। कोलकाता में कानून की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल में बढ़ते राजनीतिक

विवाद के बीच भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। भाजपा ने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ऐसे मामलों में लगातार आरोपियों को बचाने का प्रयास करती है। साथ ही भाजपा ने सरकार पर महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद राज्य में महिलाओं की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद पश्चिम बंगाल महिलाओं के शोषण और अत्याचार के मामले में पहले नंबर पर है। ऐसा हर बार होता है कि आरोपी टीएमसी का सदस्य होता है। टीएमसी हमेशा आरोपी को बचाने की कोशिश करती है। वह पीड़िता के परिवार के सदस्यों के साथ खड़ी नहीं होती। हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के तत्काल इस्तीफे की मांग करते हैं, तभी पीड़िता के परिवार को न्याय मिलेगा। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, ष्आजकल महिलाओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पर्याय बन गई है टीएमसी। टीएमसी विधायक जो यह बयान देते हैं कि जब कॉलेज बंद था तो पीड़िता क्यों गई और अगर किसी दोस्त ने ऐसा किया तो पार्टी क्या कर सकती है। उन्हें यह सोचना चाहिए कि अगर उनके परिवार की महिलाओं के साथ ऐसा कुछ हुआ और दूसरे लोग इस तरह के बयान दें तो उन्हें कैसा लगेगा।

जंगल राज वापस नहीं लाएगी जनता : चिराग पासवान

बिहार, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव 'बिहार की खातिर' लड़ना चाहते हैं, न कि अपने लिए। नालंदा जिले के राजगीर में 'बहुजन भीम संकल्प समागम' रैली को संबोधित करते हुए चिराग ने विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक की आलोचना की और उन पर अपने राजनीतिक लाभ के लिए मतदाताओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में इंडिया ब्लॉक के झूठे आख्यान से सावधान रहें। विपक्ष पर सत्तारूढ़ एनडीए के खिलाफ लोगों को गुमराह करने के लिए झूठा आख्यान गढ़ने का आरोप लगाते हुए लोजपा (आरवी) सुप्रीमो ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले, उन्होंने (विपक्ष ने) तर्क दिया कि अगर नरेंद्र मोदी लगातार

तीसरी बार पीएम चुने गए तो संविधान खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उपस्थित जनसमूह से कहा, ष्सच्चाई आपके सामने है। विपक्ष इस बार भी बिहार विधानसभा चुनाव में वही खेल खेलने की कोशिश कर रहा है। लेकिन वे अपनी योजना में सफल नहीं होंगे, क्योंकि लोग उनके छिपे हुए इरादे को पहले ही समझ चुके हैं। चिराग पासवान ने बिहार में आरजेडी सरकार की आलोचना करते हुए इसे जंगल राज बताया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बिहार के लोग 1990 के दशक के जंगल राज को वापस लाने के लिए आरजेडी को वोट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बिहार के लोग 1990 के दशक के जंगल राज को वापस लाने के लिए आरजेडी को वोट देंगे। बिहार के सभी लोगों को उन अत्याचारों को याद है, जिनका सामना उन्हें करना पड़ा था, जो उनके (लालू यादव) परिवार द्वारा किए गए थे... जो लोग उसके बाद पैदा हुए हैं, उन मतदाताओं, खासकर पहली बार मतदान करने वाले लोगों को इसके बारे में बताया जाना चाहिए। पासवान ने कहा, ''कई लोग इस बात से घबराए हुए हैं कि मैं बिहार आना चाहता हूं। वे जानना चाहते हैं कि क्या मैं यहां चुनाव लडूंगा। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं बिहार के लिए विधानसभा चुनाव लड़ना चाहता हूं। ताकि 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' का मेरा सपना साकार हो सके।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मेरे रास्ते में बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। लेकिन मैं निराश नहीं होने वाला। मेरी पार्टी में विभाजन और मेरे परिवार में दरार पैदा करके मुझे तोड़ने के पहले के प्रयास मुझे हतोत्साहित करने में विफल रहे हैं।

संपादकीय

स्त्री–द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री–द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति–रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे–बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार– हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन–मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है ।

कौशल आधारित खेल में कोटा प्रणाली की तार्किकता

प्रदीप

जब 14 जून, 2025 के दिन इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर टेम्बा बावुमा की टीम को टेस्ट क्रिकेट का विश्व चौंपियन का खिताब मिलते देखा, तो यादों में ढाई दशक पहले का एक अति मार्मिक और हिलाकर रख देने वाला पल कौंध गया, जब मैं जोहान्सबर्ग में क्रिकेट साउथ अफ्रीका के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी गेराल्ड माजोला का साक्षात्कार कर रहा था। खेल रिपोर्टिंग पेशे के दौरान क्रिकेट की दुनिया में मेरी कई यात्राओं में दक्षिण अफ्रीका ऐसा देश रहा, जहां अतीत के घाव, इससे होते रिसाव की प्रकृति, उन्हें भरने के प्रयास और बदलाव का प्रतिरोध, सभी एक साथ अपना खेल करते दिखाई देते थे। ठीक वैसे ही, जैसा कि भारत में होता है। जिस क्षण दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट प्रशासन के उस मुख्य कार्यकारी ने रंगभेद और भेदभाव की वजह से अपनी अश्वेत जाति को लगने वाली चोट का वर्णन करना शुरू किया, मैंने देखा कि उनके गालों पर आंसू बह रहे थे। किसी वयस्क को इस तरह रोते हुए देखना दुर्लभ है और आंखें मेरी भी नम हो गईं। बेशक दक्षिण अफ्रीका विविधता संपन्न देश है, लेकिन जिस तरह कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लाभ की एवज पर बहुसंख्यकों का शोषण और भेदभाव करने के लिए नस्लीय रंगभेद का इस्तेमाल किया जाता था, उससे यह माहौल भयावह भी लगता था। यह एक ऐसा देश रहा जहां अश्वेत अफ्रीकियों के साथ वाकई बहिष्कृतों जैसा व्यवहार किया जाता था, जब तक कि 1994 में श्वेत प्रशासन को सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया,नेल्सन मंडेला इस परिवर्तन के एक उत्प्रेरक और प्रतीक बने। सत्ता हस्तांतरण ने कई बदलावों की शुरुआत की, जिनका उद्देश्य अश्वेत अफ्रीकियों को सशक्त बनाना था और उनमें से एक था घरेलू और राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों में अश्वेत प्रतिनिधित्व को अनिवार्य बनाना। इसे 'कोटा सिस्टम' कहा जाता है, इसके तहत, वर्तमान में, राष्ट्रीय टीम में कम–से–कम दो अश्वेत और चार अन्य रंगों के लोगों को शामिल करना जरूरी है, कुछेक मामूली बदलावों के साथ। जब 2002 में, उस साक्षात्कार में माजोला रो पड़े थे, कोटा सिस्टम खेल में श्वेत–निर्मित ढांचे को हिलाने लगा था और टीम संरचना में फेर–बदल होनी शुरू हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने वाले अब तक के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से एक मखाया नितिनि टीम में चुने गए पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। बाद में उन्होंने खुलासा किया कि टीम के श्वेत सदस्यों ने उन्हें कभी अपने में से एक नहीं माना, तिरस्कृत किया और अवांछित महसूस कराया। वे अपवाद नहीं थे, क्योंकि कई अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्हें योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि 'कोटा खिलाड़ी' के रूप में टीम में होने के कारण हल्के में लिया जाता था। लेकिन प्रशासक टस से मस नहीं हुए और आज लगता है कि उस बदलाव ने एक सकारात्मक परिणाम दिया है, जैसा कि बावुमा ने मैच उपरांत अपने भाषण में कहा 'एक विभाजित देश को एकजुट किया'। रेनबो नेशन, जैसा कि दक्षिण अफ्रीका को कहा जाता है, ने दुनिया को दिखाया है कि खेलों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता हासिल की जा सकती है और कोटा प्रणाली, जिसे भारत में हम 'आरक्षण' और 'योग्यता' कहते आए हैं, यह व्यवस्था दीर्घ काल में इनके बीच की रेखा को धुंधला कर सकती है। भारतीय दृष्टिकोण से, दक्षिण अफ्रीका के अश्वेत लोग गोरों के लिए वैसे ही थे जैसे यहां ऊंची जातियों के लिए दलित हैं। ऑस्ट्रेलिया पर दक्षिण अफ्रीका की जीत का जश्न मनाने वाले अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसक शायद यह नहीं जानते कि यह अति कुख्यात 'आरक्षण' ही है, जिसने एक ऐसे देश की वास्तविक विविधता को प्रतिबिंबित करने में मदद की है, जिसका इतिहास विभाजनकारी संताप का रहा है। आज जबकि दक्षिण अफ्रीकी टीम में अश्वेत अफ्रीकियों का प्रतिनिधित्व है, यह महसूस करके दुःख होता है कि भारतीय क्रिकेट इतिहास की शुरुआत से ही, टीम में शामिल किए गए किसी दलित और आदिवासी खिलाड़ी का नाम खोजने में खूब खंगालना पड़ता है। साल

1947 से पहले पलवंकर बालू और नब्बे के दशक में विनोद कांबली, ले–देकर, दलित जाति के दो ही जाने–माने नाम हैं, जो दिमाग में आ रहे हैं। हो सकता है, कुछ और भी हों। चूंकि उनकी जाति की पहचान स्थापित करना मुश्किल है, इसलिए हम यहां उनका नाम लेने से बच रहे हैं। देश के सबसे लोकप्रिय खेल में, कुल आबादी के लगभग 25 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व बस इतना ही! दक्षिण अफ्रीकी कोटा प्रणाली को भूल जाइए, क्या उनकी तरह हमने भी खेल तक पहुंच बनाने और सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए, जमीनी स्तर पर प्रशिक्षण व छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किए हैं? खेल में जाति पर चर्चा करने और व्यवस्था में खामियों का निदान करने को लेकर हमारी उदासीनता, भेदभावपूर्ण प्रणाली बनाने में हमें भी एक भागीदार बनाती है, वह जो हमारी आबादी के एक–चौथाई हिस्से को हमारे राष्ट्रीय खेल में उचित प्रतिनिधित्व से वंचित करती है, वह क्रिकेट,जिसे हम अपना धर्म भी कहते हैं। एक ऐसा खेल जो 140 करोड़ लोगों को जोड़ता हो, उसमें भारत की ओर से खेलने के लिए एक भी 'योग्यता वाला' दलित खिलाड़ी नहीं है। टीम संरचना में इस असंतुलन का कारण खोजने के लिए क्या यह अरबों रुपये से लदे–फदे क्रिकेट बोर्ड की जिम्मेदारी और नैतिक दायित्व नहीं? कितनी लज्जा की बात है! जहां भारत अभी भी जातिगत पूर्वाग्रहों और भेदभावपूर्ण प्रथाओं से ग्रस्त समाज में नौकरियों में आरक्षण के महत्व पर बहस में उलझा है वहीं यह आश्चर्य की बात है कि एक ऐसा देश भी है, जिसने विश्व में अब तक ज्ञात सबसे कौशल–आधारित खेल में कोटा प्रणाली के सकारात्मक परिणाम दिखा दिए हैं। खेल उत्कृष्टता पर पनपते हैं, जहां किसी की प्रतिस्पर्धा दुनिया के 'सर्वश्रेष्ठतम' खिलाड़ियों के साथ होती है। इसके लिए कड़ी मेहनत, उचित प्रशिक्षण, संसाधन और सबसे बढ़कर एक निष्पक्ष समर्थनकारी प्रणाली की आवश्यकता होती है, जो किसी व्यक्ति को अपनी प्रतिभा को खुलकर दिखाने की अनुमति देने वाली हो। हालांकि दक्षिण अफ्रीकी प्रयोग के बावजूद, खेलों में आरक्षण एक अतिशयी कदम भी हो सकता है, यदि चुना गया खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त रूप से बढ़िया न हो, और इससे टीम का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।

आंतरिक जगत से अनभिज्ञता ही दुखों का कारण

डॉ. मधुसूदन

भौतिक लिप्साओं के सम्मोहन और दुनियावी चमक–दमक में डूबा मनुष्य जीवनपर्यंत यह नहीं जान पाता कि उसके जीवन का वास्तविक उद्देश्य आखिर क्या है। जन्म लेने से मृत्यु तक मनुष्य को पारिवारिक संस्था से सिखाने की आरंभ हुई प्रक्रिया स्कूल–कालेज होती हुए तकनीकी संस्थानों तक मनुष्य को ज्ञान देती रहती हैं। प्राचीन समय में बाह्य ज्ञान की आपाधापी में मनुष्य को खुद को पहचानने की सीख हमारा धर्म व अध्यात्म देता रहा है। ताकि जिससे मनुष्य अंतर्मुखी होकर अपनी आंतरिक शक्तियों को जान सके। हमारे ऋषि–मुनि सदियों से मनुष्य को खुद को जानने का मार्ग बताते रहे हैं। ताकि जिससे मनुष्य को अपनी आंतरिक शक्तियों का भान हो सके। हमारे आध्यात्मिक व धार्मिक गुरु अपनी आंतरिक यात्राओं के जरिये ही विशिष्ट ज्ञान व शक्तियों को ग्रहण करते रहे हैं। उनके यही गुण उन्हें सामान्य मनुष्य में विशिष्टता प्रदान करते हैं। विडंबना यह है कि आज हमारा जीवन इतना कृत्रिम हो चला है कि हमने भौतिक सुख–सुविधाओं को ही जीवन का अंतिम हासिल मान लिया है। लेकिन वास्तव में यह मानवीय मूल्यों के क्षरण और आंतरिक शक्तियों के पराभाव का कारक है। हम अपने जीवन की उस गहन यात्रा से वंचित हो जाते हैं जो हमें भीतर की दुनिया की ओर ले जाती है। निस्संदेह, मनुष्य तभी पथभ्रष्ट और अमानवीय कृत्य करता है जब वह अंतर्मन की आवाज को अनसुना कर देता है। यही वजह है कि आज हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। सही मायनों में संवेदनशीलता मनुष्य का अपरिहार्य गुण है। यह उच्च मानवीय अभिव्यक्ति है। ये भाव उसी व्यक्ति में मुखरित होते हैं जिसे अंतर्ज्ञान का बोध हो जाता है। यही भाव मनुष्य में परोपकार की भावना को जाग्रत करता है। दरअसल, कोई भी मनुष्य तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक कि वह खुद को न जान ले। दरअसल, जिस खुशी को हम भौतिक वस्तुओं व लिप्साओं में तलाशते हैं वह तो नश्वर संसार में हमारे क्षरण का जरिया है। दरअसल, असल खुशी तो आंतरिक होती है। जो हमारी मनःस्थिति पर निर्भर करती हैं। सही मायनों में सांसारिक सुखों में ही हमारे दुख के कारक निहित होते हैं। लेकिन अंतर्मन के ज्ञान को हासिल करने वाला व्यक्ति हर हाल में सुखी रहता है। उसकी खुशी वास्तविक है और दीर्घकालीन होती है। सही मायनों में खुद को जानकर ही मनुष्य आध्यात्मिक की राह में आगे बढ़ सकता है। दरअसल, आज मनुष्य जिन मनोकायिक रोगों से जूझ रहा है उसके मूल में जीवन की कृत्रिमताएं हैं। हमारा जीवन लगातार यांत्रिक होता जा रहा है। सही मायनों में हम आज मशीनी जीवन शैली के पुर्जे मात्र बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि हमारे जीवन का यह यांत्रिक चक्र जीवन पर्यंत यूं ही चलता रहता है। जब तक हमें वास्तविकता का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने आश्रम व्यवस्था का सूत्रपात इसीलिए किया था कि एक निश्चित समय के बाद सांसारिक दायित्वों से मुक्त होकर वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम के जरिये अंतर्मन की यात्रा की ओर उन्मुख हो सकें। लेकिन पश्चिमी जीवन शैली का अंधानुकरण करके हम आज जीवन में पंच–क्लेषों का ही अंगीकार कर रहे हैं। हमारे जीवन में आलस्य व प्रमाद का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है। हम सात्विक जीवन शैली से विमुख होते जा रहे हैं। मनुष्य को पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही खुद से पूछना चाहिए कि मेरे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है३ मेरा अंतर्मन से संवाद क्यों स्थापित नहीं हो पा रहा है३ क्या कभी हमने अपनी आंतरिक शक्तियों को जानने का प्रयास किया३ क्या हम आत्मविश्लेषण कर पा रहे हैं कि हमारे जीवन के लक्ष्य क्या हैं।

..... विविध .....

व्रत, साधना और आध्यात्मिक जागरण का उत्सव

देवशयनी एकादशी, जिसे आषाढ़ी और पद्मा एकादशी के नाम से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह दिन भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने का प्रतीक है। इसी दिन से भारतीय संस्कृति में चातुर्मास यानी चार महीने का धार्मिक संवत्सर आरंभ होता है, जिसे पारंपरिक रूप से धार्मिक संस्कारों

तथा वैवाहिक आयोजनों आदि के विराम का समय माना जाता है। इस वर्ष देवशयनी एकादशी, यानी आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी, आगामी 6 जुलाई को पड़ रही है। इसकी शुरुआत 5 जुलाई को प्रातः लगभग 5 बजकर 58 मिनट पर हो जाएगी तथा समाप्ति 6 जुलाई को रात लगभग 9 बजकर 14 मिनट पर होगी। जो लोग इस दिन व्रत करते हैं, उनके व्रत खोलने का शुभ मुहूर्त 7 जुलाई को सुबह लगभग 5 बजकर 51 मिनट से 6 बजे तक रहेगा। इस प्रकार इस वर्ष देवशयनी एकादशी पूर्णतः 6 जुलाई को मनाई जाएगी। देवशयनी एकादशी को शास्त्रों में वह दिन माना गया है, जब भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शय्या पर शयन करने चले जाते हैं। इस योगनिद्रा का उद्देश्य चार माह की साधना, तप और श्रद्धा की अवधि को आरंभ करना होता है। भगवान विष्णु की यह निद्रा कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को समाप्त होती है, जिसे प्रबोधिनी एकादशी कहा जाता है। देवशयनी एकादशी से आरंभ होने वाला चातुर्मास का समय धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। इस दौरान धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों को मांसाहार तथा तामसिक भोजन से परहेज करना चाहिए। विवाह संस्कार, गृह प्रवेश, वाहन या आभूषणों की खरीद जैसे कार्य इस काल में वर्जित माने जाते हैं। वास्तव में ये चार महीने आध्यात्मिक चेतना के मास होते हैं, जिनमें मन, वाणी और कर्म की शुद्धि पर विशेष बल दिया जाता है।

देवशयनी एकादशी को लेकर पुराणों में अनेक कथाओं का उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण और भविष्योत्तर पुराण जैसे धार्मिक ग्रंथों में देवशयनी एकादशी का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन व्रत रखने वाला व्यक्ति तमाम पापों से मुक्त होकर बैकुंठधाम प्राप्त करता है। देवशयनी एकादशी की पृष्ठभूमि में राजा मंधाता की प्रसिद्ध कथा है। कहा जाता है कि तीन वर्षों के अकाल से पीड़ित राजा ने भगवान विष्णु की तपस्या की और यह व्रत किया। राजा की इस साधना से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने कृपा की, जिससे राज्य में वर्षा हुई और पुनः समृद्धि लौटी। यदि आप धार्मिक आस्था रखते हैं, तो आपको इस दिन विशेष व्रत–उपवास करना चाहिए। इस व्रत में अनाज और अनाज–उत्पादों का सेवन नहीं करना चाहिए। तामसिक भोजन से भी दूर रहना चाहिए। यदि पूर्ण व्रत करना संभव न हो, तो दूध, फल, नमकीन, या साबुत अनाज से भी परहेज कर केवल हल्की हरी सब्जियों का सेवन करना चाहिए। व्रत करने वालों को एकादशी की तिथि से लेकर द्वादशी की सुबह तक उपवास रखना चाहिए। देवशयनी एकादशी के दिन प्रातः ब्रह्ममुहूर्त में उठकर, नित्यकर्म करके स्नान आदि करें। घर में भगवान विष्णु और लक्ष्मी की मूर्तियों के समक्ष दीप, धूप, पुष्प और नैवेद्य अर्पित करें। इस दिन विष्णु सहस्रनाम और वासुदेव मंत्र का जाप करना चाहिए। शाम के समय अथवा रात्रि में व्रत कथा का पाठ करें। पूरे दिन भजन, संकीर्तन और भगवत चर्चा में समय बिताना चाहिए। व्रत के दिन गरीबों और जरूरतमंदों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार धन, वस्त्र और फलों का दान करना चाहिए। ऐसा करने से पापों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति पुण्य का अधिकारी बनता है। चातुर्मास की अवधि में संयमित और आध्यात्मिक जीवन जीना चाहिए। इन चार महीनों में झूठ नहीं बोलना चाहिए, चोरी नहीं करनी चाहिए, किसी का दिल नहीं दुखाना चाहिए। मन और तन को इस समयावधि में शुद्ध रखना चाहिए। देवशयनी एकादशी की शुरुआत एकादशी तिथि से होती है और यह द्वादशी की सुबह तक रहती है। अतः इस अवधि में व्रत करना चाहिए। पूजा–अर्चना करते हुए भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी की प्रतिमा पर दीप, धूप, पुष्प, फल और नैवेद्य अर्पित करना चाहिए। व्रत खोलते समय सावधानीपूर्वक व्रत का पारण करना चाहिए, क्योंकि यदि समय से पहले या बाद में व्रत खोला जाए तो व्रत का धार्मिक फल प्राप्त नहीं होता। यदि पूर्ण व्रत रखने की क्षमता न हो, तो आरंभ से ही व्रत न रखना बेहतर है। आधे दिन बाद व्रत तोड़ना उचित नहीं माना गया है। व्रत के दिन आंशिक फलाहार तो किया जा सकता है, परंतु भरपेट फल खाना भी वर्जित है। इस दिन अधिकतम समय भगवत भजन और ध्यान में लगाना चाहिए। देवशयनी एकादशी हिंदू धार्मिक परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जो व्यक्ति को आत्मशुद्धि, आत्मसंयम और सामाजिक दायित्व की ओर प्रेरित करता है।

बरसात के मौसम में बच्चों की इम्यूनिटी का रखें खास ख्याल

कुछ राज्यों में मानसून का आगाज हो चुका है। बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है, लेकिन इस दौरान बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, खासकर मच्छर से फैलने वाले रोग जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया और वायरल फीवर, सर्दी–जुकाम आदि। ऐसे में बच्चों की इम्यूनिटी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होनी चाहिए ताकि वे बीमारियों से बचे रहें।

इम्यूनिटी क्या होती है?

इम्यूनिटी का मतलब है शरीर की वह क्षमता जो उसे बीमारियों और संक्रमणों से लड़ने में मदद करती है। यह शरीर की सुरक्षा कवच की तरह होती है, जो वायरस, बैक्टीरिया और अन्य हानिकारक जीवों से हमें बचाती है। इसलिए बच्चों की इम्यूनिटी को मजबूत रखना बहुत जरूरी होता है। आप अपने बच्चों की इम्यूनिटी को चार सरल तरीकों से बढ़ा सकते हैं। ये तरीके नेचुरल हैं और बच्चों की सेहत के लिए बिल्कुल सुरक्षित भी।

हल्दी

हल्दी एक ऐसा मसाला है जिसे रोजाना खाना पकाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और संक्रमण से बचाता है। आप हल्दी को बच्चों के खाने में शामिल कर सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली विटामिन सी और शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। बच्चों को सब्जियों में ब्रोकली जरूर खिलाएं।

खट्टे फल

संतरा, नींबू, अमरूद जैसे खट्टे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। विटामिन सी इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है और शरीर को बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार करता है। रोजाना बच्चों को मौसमी खट्टे फल खिलाएं।

विटामिन डी युक्त खाद्य पदार्थ

विटामिन डी हड्डियों के लिए

जरूरी होने के साथ–साथ इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है। इसे पाने का सबसे अच्छा तरीका है सुबह की धूप लेना। इसके अलावा दूध, दही, अंडा, पनीर और मशरूम विटामिन डी के अच्छे स्रोत हैं। बच्चों को ये फूड आइटम जरूर दें।

यह जानकारी केवल सामान्य ज्ञान के लिए है। किसी भी दवा या इलाज के लिए डॉक्टर की सलाह जरूर लें। एनबीटी इस लेख की सटीकता और प्रभाव के लिए जिम्मेदार नहीं है। इस तरह आप अपने बच्चों की इम्यूनिटी को नेचुरल तरीके से मजबूत कर सकते हैं और उन्हें मानसून में होने वाली बीमारियों से बचा सकते हैं।

ऐसे पैरों वाली महिलाएं अपने पति के लिए होती हैं साक्षात लक्ष्मी, इनके कदमों से ससुराल होता है धन–धान्य से भरपूर

महिलाओं को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है और विवाह के बाद उन्हें गृह लक्ष्मी का दर्जा मिलता है। यह माना जाता है कि जिस घर में महिलाएं होती हैं, वहां कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती और घर हमेशा खुशहाल रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हस्तरेखा विज्ञान और सामुद्रिक शास्त्र में महिलाओं के पैरों को लेकर कुछ खास बातें बताई गई हैं जो उन्हें अन्य स्त्रियों से थोड़ा अलग बनाती हैं? हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, महिलाओं के पैरों की बनावट और आकार से यह जाना जा सकता है कि उनका भविष्य और स्वभाव कैसा होगा। छोटे, बड़े, मोटे, लंबे, चौड़े पैरों को लेकर हस्तरेखा विज्ञान में कई मान्यताएं हैं, जिनसे यह पता चल सकता है कि आने वाला समय आपके लिए कैसा होगा।

पैरों की बनावट से भविष्य का पता चलेगा

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, किसी भी स्त्री के पैरों की बनावट और आकार से यह जानना संभव है कि उनका भविष्य कैसा होगा। यहां हम कुछ ऐसी खास विशेषताओं के बारे में बता रहे हैं, जो महिलाओं के पैरों से जुड़ी हैं और जो उनके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का संकेत देती हैं।

मुलायम और समान तलवों वाली महिलाएं जीवन में सुखी रहती हैं

अगर किसी महिला के पैरों के तलवे बहुत मुलायम और समान होते हैं, तो ऐसी महिलाएं जीवन में खूब सुख और समृद्धि का अनुभव करती हैं। ये महिलाएं परिवार को साथ लेकर चलना पसंद करती हैं और हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहती हैं।

मुलायम तलवों वाली महिलाएं आमतौर पर संगीत, कला या अन्य रचनात्मक कार्यों में रुचि रखती हैं। उनका जीवन खुशहाल होता है और वे अपने आसपास के वातावरण को भी सुखद बनाए रखने का प्रयास करती हैं। इस स्वभाव के कारण ये महिलाएं अपने परिवार और समाज में हमेशा सम्मानित और खुश रहती हैं।

जुड़ी हुई उंगलियों वाली महिलाएं साक्षात लक्ष्मी होती हैं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन महिलाओं की उंगलियां कोमल और आपस में जुड़ी हुई होती हैं, वे जीवन में शुभ फल प्राप्त करती हैं। इन महिलाओं का व्यक्तित्व मिलनसार होता है और वे दूसरों के भावनाओं को गहराई से समझने में सक्षम होती हैं। जिन महिलाओं की उंगलियां जुड़ी हुई होती हैं, वे परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने में तत्पर रहती हैं और अपने पति के लिए साक्षात लक्ष्मी मानी जाती हैं। इस प्रकार की महिलाएं विवाह के बाद बहुत सुखी जीवन व्यतीत करती हैं और उनके परिवार में कभी भी धन–धान्य की कमी नहीं होती।

चिकने, मुलायम और गुदगुदे पैरों वाली महिलाएं भाग्यशाली होती हैं

जिन महिलाओं के पैरों का ऊपरी हिस्सा चिकना, मुलायम और गुदगुदा होता है, ।

10 करोड़ से बने सोने के झूले पर विराजेंगे रामलला, रामनगरी के मंदिरों में दिखेगी झूलनोत्सव की धूम

लखनऊ, (संवाददाता)। सावन महीने में अयोध्या में रामलला को झूला झुलाने की परंपरा है। इस बार बालक राम के सोने के झूले में झूला झूलने की भव्य झलक श्रद्धालुओं को दिखेगी। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के भूतल पर भव्य स्वरूप में विराजमान रामलला व प्रथम तल पर सीताराम इस सावन में स्वर्ण जड़ित झूले पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।` मुंबई के कारीगर पांच–पांच किलो सोने के दो झूले तैयार कर रहे हैं। एक झूले की कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई जा रही है। इन झूलों पर हीरे, माणिक और पन्ना जड़े जा रहे हैं। रामनगरी में सदियों से झूलनोत्सव की परंपरा प्रवाहमान है। सावन शुक्ल तृतीया 29 जुलाई से नौ अगस्त (सावन पूर्णिमा) तक रामनगरी के हजारों मंदिरों में झूलनोत्सव की धूम होगी। लाखों श्रद्धालु अयोध्या में झूलनोत्सव का दर्शन करने उमड़ेंगे। झूलन उत्सव की परंपरा को इस बार और भव्य रूप में साकार किया जा रहा है। रामलला व सीताराम के भव्य झूला निर्मित कराया जा रहा है। पहली बार राम मंदिर के झूला उत्सव का दूरदर्शन पर लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। एक झूले पर रामलला की उत्सव मूर्ति व दूसरे झूले पर सीताराम की उत्सव मूर्ति सावन मेले में विराजित की जाएगी। रामलला का झूला 26 जुलाई से पहले बनकर अयोध्या आ जाएगा। इसी दिन से यहां झूला उत्सव शुरू होगा। रामलला व सीताराम 29 जुलाई को सोने के झूले पर विराजमान होंगे। सावन मेले की प्रत्येक संध्या, मंदिर प्रांगण में भजन–कीर्तन की सरगम के साथ झूला झूलते रामलला के दर्शन होंगे।

बिहार के रास्ते यूपी के आकाश पर छाने की तैयारी में आनंद, रणनीति के तहत सौंपी गई कमान

लखनऊ, (संवाददाता)। पार्टी में वापसी के बाद बसपा के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने भले ही बिहार से अपनी दूसरी पारी का आगाज किया है, पर उनके सियासी कौशल की असल परीक्षा यूपी में होगी। माना जा रहा है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती सोची–समझी रणनीति के तहत भतीजे आकाश को बिहार के रास्ते यूपी की सियासत के लिए तैयार कर रही हैं। पटना के कार्यक्रम में जिस प्रकार बसपा सुप्रीमो ने आकाश को रिलॉन्च किया है, उससे स्पष्ट है कि जल्द ही आकाश के सियासी सफर को यूपी में भी रफ्तार देने की तैयारी है। बिहार में विधानसभा चुनाव में अब चंद महीने ही बचे हैं। बसपा सुप्रीमो ने आकाश को बिहार के सियासी मैदान में उतारकर एक बड़ा लक्ष्य दिया है। उन्हें जातियों को जोड़कर फिर से भाईचारा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके जरिये मतदाताओं के बीच आकाश को एक परिपक्व नेता के रूप में पेश करने की भी कोशिश है। माना जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव में भी आकाश को यूपी के सियासी मैदान में लॉन्च कर सकती है। सूत्रों का कहना है कि मायावती ने आकाश को बिहारी के सियासी पिच पर यूं ही नहीं उतारा है। इसके जरिये वे आकाश की भाषण शैली और उनके प्रति बसपा समर्थकों के रुझान का भी आकलन करना चाहती हैं, ताकि आकाश की आगे की सियासी राह की रूपरेखा तय की जा सके। यही वजह है कि बिहार के कार्यक्रम में मायावती ने आकाश के साथ अपने सबसे विश्वसनीय नेशनल कोऑर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतमा को लगाया है।

चारबाग आउटर स्टेशन पर वंदे भारत पर हुआ पथराव, शीशा टूटने से सहम गए यात्री

लखनऊ, (संवाददाता)। वंदे भारत एक्सप्रेस पर शरारती तत्वों ने फिर पथराव कर दिया। आनंदविहार जा रही वंदे भारत पर लखनऊ आउटर पर पथराव किया गया, जिससे चेयरकार बोगी के यात्री सहम गए। यह हाल तब है, जब वंदे भारत एक्सप्रेस की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से होती है। आरपीएफ इन कैमरों की मदद से कई पत्थरबाजों को गिरफ्तार भी कर चुकी है। आए दिन प्रयागराज और मेरठ में इस ट्रेन पर पत्थरबाजी के मामले सामने आ रहे हैं। अब लखनऊ में भी ऐसी घटना सामने आई है। गाड़ी संख्या 22425 अयोध्या–आनंदविहार वंदे भारत एक्सप्रेस शनिवार शाम को चारबाग से रवाना हुई। ट्रेन आलमबाग पश्चिम केबिन के पास पहुंची ही थी कि बोगी सी–11 की सीट संख्या 30, 31 और 32 के सामने वाली खिड़की पर पत्थर चला दिया गया। इससे चेयरकार बोगी सी–11 का शीशा टूट गया। यात्री निर्मेष ने इसकी शिकायत आरपीएफ कंट्रोल रूम में दर्ज कराई। आरपीएफ ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लखनऊ जंक्शन से नई दिल्ली जाने वाली वीआईपी ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार को ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गेट नहीं खुले। इससे काफी देर तक 600 यात्री बारिश के बीच प्लेटफॉर्म पर खड़े रहे। यात्री कृष्ण कुमार ने रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है। लखनऊ–वाराणसी शटल ट्रेन की चेयरकार बोगी सी–2 में दो सीटों की फीडिंग ऑनलाइन गलत दर्ज हो गई। बताया जा रहा है कि यह दिक्कत कई दिनों से है। इसके चलते यात्रियों को सीट संख्या 74 व 75 आवंटित कर दी जाती है, लेकिन जब यात्री ट्रेन में पहुंचते हैं तो उन्हें सीट ही नहीं मिलती। पता चलता है कि ये सीटें हैं ही नहीं। यात्री सुनव बासु बिस्वास ने उत्तर रेलवे प्रशासन से इसकी शिकायत की है। किन्नर कर रहे वसूली ट्रेनों में किन्नरों की वसूली थम नहीं रही है। लखनऊ–कानपुर रूट की ट्रेनों में रुपये देने से मना करने पर यात्रियों से अभद्रता भी कर रहे हैं। गाड़ी संख्या 13005 हावड़ा–अमृतसर पंजाब मेल की स्लीपर क्लास बोगी में सफर कर रहे एक यात्री ने इसका वीडियो बनाकर आरपीएफ से शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस ने तीन साइबर ठगों को किया गिरफ्तार, लिंक भेजकर खाली करते थे खाता

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अमेठी में साइबर पुलिस ने एसटीएफ लखनऊ की मदद से तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। इन्हें मध्यप्रदेश के भोपाल से पकड़ा गया है। पकड़े गए आरोपी सोशल मीडिया पर फेक लिंक भेजकर बैंक खातों से रुपये उड़ाते थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि पकड़े गए आरोपी बीफार्मा के छात्र हैं। ये कॉल सेंटर में नौकरी के दौरान ठगी के नेटवर्क से जुड़े। अब तक लाखों की ठगी को अंजाम दिया। सीओ गौरीगंज अखिलेश वर्मा ने बताया कि रामगंज के त्रिसुंडी अग्रेसर गांव निवासी आशीष विक्रम सिंह को अगस्त 2024 में फेसबुक पर एक लिंक भेजा गया। लिंक खोलने के बाद व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर टास्क पूरा करने को कहा गया। टास्क पूरा करने पर 10 हजार रुपये मिलने का लालच दिया गया। इसके बाद ठगों ने उनका खाता माइनस में दिखाकर कुल 15 लाख 84 हजार रुपये अलग–अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए। आशीष ने इसकी शिकायत साइबर थाने में की थी। मामले की जांच करते हुए पुलिस व एसटीएफ टीम ने भोपाल से शिवांश मिश्रा, रवि सिंह और उमाशंकर तिवारी को गिरफ्तार किया है।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ व्यापार मंडल ने 70 व्यापारियों को किया सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ व्यापार मंडल की ओर से भामाशाह जयंती के अवसर पर चेयरमैन राजेंद्र कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में हुए भव्य समारोह में 70 से ज्यादा व्यापारियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए वरिष्ठ महामंत्री पवन मनोचा ने बताया कि दानवीर भामाशाह की तर्ज पर समाज सेवा में अपनी भूमिका निभाने वाले व्यापारी विजय कुमार छाबड़ा, अनिल विरमानी, सतीश शर्मा, राकेश छाबड़ा, चंद्र प्रकाश अग्रवाल, रमेश मिश्रा, इंदरजीत सिंह, सुशील अबरोल, रविन्द्र गुप्ता, महिला विंग की अध्यक्ष निहारिका सिंह समेत 70 से ज्यादा व्यापारियों को चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल ने सम्मानित किया। अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र के विदेश में होने के कारण उन्होंने टेलीफोनिक माध्यम से व्यापारियों को समाज सेवा में आगे बढ़ते रहने का संकल्प दिलाया। चेयरमैन राजेंद्र अग्रवाल ने भामाशाह के तरह बनने की अपील की। कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री उमेश शर्मा, अनुराग मिश्रा, अभिषेक खरे, महामंत्री सुहेल हैदर अल्वी, जितेन्द्र सिंह चौहान, मनीष गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अखिलेश व डिंपल ने शुभांशु के घर पहुंच कर दी बधाई

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पत्नि डिंपल यादव के साथ रविवार को त्रिवेणी नगर निवासी अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के घर जा कर उनके परिजनों को बधाई दी। अखिलेश ने शुभांशु के पिता शंभु दयाल शुक्ल को शुभांशु की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा पर बधाई देते हुए कहा कि शुभांशु पर पूरे देश को गर्व है। कन्नौज से सांसद डिंपल यादव ने शुभांशु की माता आशा देवी से कहा कि शुभांशु की उपलब्धि देश के युवाओं को प्रेरणा देगी।

खुशियों की पाठशाला में बच्चों ने भरे कला के रंग

लखनऊ, (संवाददाता)। प्राणि उद्यान में स्थित राज्य संग्रहालय में रविवार को सजी खुशियों की पाठशाला में बच्चों ने आर्ट और क्राफ्ट गतिविधियों में अपनी कलात्मकता का परिचय दिया। इस दौरान विज्ञान फाउंडेशन के करीब 35 बच्चों ने प्रतिभाग किया। परिकल्पना और निर्देशन राज्य संग्रहालय की निदेशक डॉ. सृष्टि धवन का रहा। बच्चों ने रंग–बिरंगे क्राफ्ट पेपर, स्टिकर्स और रंगों की मदद से पेन स्टैंड, घर, वॉल हैंगिंग, ग्रीटिंग कार्ड्स, फ्रेम, परी, लिफाफे, लैंडस्केप आदि सुंदर कलाकृतियां बनाईं। सत्र का समन्वय कर रहीं सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका ने कहा कि इस दौरान बच्चों की कलात्मक रुचि, सौंदर्यबोध और बौद्धिक क्षमता सामने आई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां न केवल बाल मनोविज्ञान को सकारात्मक दिशा देती हैं, बल्कि उनमें संवेदनशीलता और सृजनशीलता को भी विकसित करती हैं। इस दौरान प्रीति साहनी, धनंजय राय, प्रमोद कुमार, शशिकला राय, गायत्री गुप्ता, अनुराग द्विवेदी, राजेश, मो. परवेज, आशीष तिवारी और पूनम आदि का सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

पेयरिंग नीति पर भ्रम फैलाने वाले चार शिक्षकों को चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बीकेटी ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय बरगदी कला में सरकार की पेयरिंग नीति का विरोध करते हुए कुछ शिक्षकों की ओर से अभिभावकों को गुमराह करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में दो शिक्षक और दो शिक्षामित्रों को बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) राम प्रवेश ने कठोर चेतावनी जारी की है। राजधानी में पहले चरण के तहत 30 से भी कम बच्चों वाले सरकारी विद्यालयों की पेयरिंग की गतिविधि चल रही है। जानकारी के मुताबिक, 23 जून को स्कूल में जब विभागीय टीम अभिभावकों को पेयरिंग प्रक्रिया की जानकारी दे रही थी, उसी दौरान शिक्षकों ने इसका विरोध करते हुए अभिभावकों को गलत जानकारी देने की कोशिश की। मामले की शिकायत मिलने पर खंड शिक्षा अधिकारी प्रीती शुक्ला ने जांच की। जांच में आरोप सही पाए गए। इस आधार पर प्रधानाध्यापक सरोज लता, सहायक अध्यापक संतोष कुमार तथा शिक्षामित्र सरस्वती और बाबूलाल को बीएसए की ओर से चेतावनी दी गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय का प्रतिनिधि मंडल श्रीलंका रवाना

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय का पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल रविवार को श्रीलंका रवाना हो गया। इस यात्रा का उद्देश्य दक्षिण एशिया में शैक्षिक संबंधों को मजबूत करना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के व्यापक परिप्रेक्ष्य में विवि के अकादमिक कार्यक्रमों का प्रचार प्रसार करना है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अभियान को दक्षिण पथ संवाद व समन्वय नाम दिया है। इसका उद्देश्य कोलंबो में भारतीय उच्चायोग के संयोजन व सलाह से श्रीलंका के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है। इस यात्रा के दौरान, प्रतिनिधि मंडल श्रीलंकाई विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग, संचार व समन्वय स्थापित करते हुए वहां रह रहे पूर्व छात्रों के साथ एलुमनी कनेक्ट का भी आयोजन करेगा।

रोजगार मेला आज, 300 पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में सोमवार को रोजगार मेला लगेगा। यहां टाटा सहित अन्य कंपनियां शामिल होंगी। चयन होने पर कंपनी की ओर से 20 हजार रुपये महीने तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही दोपहर का खाना, मेडिकल व पीएफ की सुविधा दी जाएगी। आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, एडेप्ट इंडिया और जेबीएल कंपनियां शामिल होंगी। लखनऊ, हरियाणा व अन्य राज्यों के लिए कंपनियों की ओर से करीब 300 पदों पर भर्ती ली जाएगी। टाटा कंपनी में अप्रेंटिसशिप और अन्य कंपनियों में ट्रेनी पद के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थी रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। कंपनी शैक्षिक योग्यता के आधार पर वेतन देगी। साक्षात्कार, दस्तावेज और मेडिकल जांच के आधार पर चयन किया जाएगा।

रोजगार मेला , 300 पदों पर होगी भर्ती

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में सोमवार को रोजगार मेला लगेगा। यहां टाटा सहित अन्य कंपनियां शामिल होंगी। चयन होने पर कंपनी की ओर से 20 हजार रुपये महीने तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही दोपहर का खाना, मेडिकल व पीएफ की सुविधा दी जाएगी। आईटीआई के प्लेसमेंट अधिकारी एमए खान ने बताया कि रोजगार मेले में टाटा मोटर्स, एडेप्ट इंडिया और जेबीएल कंपनियां शामिल होंगी। लखनऊ, हरियाणा व अन्य राज्यों के लिए कंपनियों की ओर से करीब 300 पदों पर भर्ती ली जाएगी। टाटा कंपनी में अप्रेंटिसशिप और अन्य कंपनियों में ट्रेनी पद के लिए साक्षात्कार लिया जाएगा। हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई और डिप्लोमा इंजीनियरिंग के विद्यार्थी रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। कंपनी शैक्षिक योग्यता के आधार पर वेतन देगी। साक्षात्कार, दस्तावेज और मेडिकल जांच के आधार पर चयन किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी आईटीआई परिसर में सुबह 10 बजे से शामिल हो सकते हैं।

खुद को भाजपा नेता बताकर अधिकारियों को फोन करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता की अपने व्हाट्सएप पर डीपी लगाकर शासन के अधिकारियों को कॉल कर अर्दब में लेने वाले आरोपी फिरोजाबाद जनपद के नसीरपुर भाकलपुर निवासी सर्वेश कुमार उर्फ माथुर जी को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से कॉल करने में इस्तेमाल किया गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि आरोपी कुछ समय से औरैया जिले के अजीतमल मुरादगंज में रह रहा था। कुछ दिन पहले उसने भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के नाम से ट्रू–कॉलर में उनका नाम फीड किया। साथ ही उनकी डीपी भी अपने व्हाट्सएप पर लगाई। उसके बाद आरोपी ने वरिष्ठ भाजपा नेता बताकर शासन के कई अधिकारियों को व्हाट्सएप पर कॉल की। आरोपी ने फोन पर परिचितों का काम करने का दबाव बनाते हुए अभद्रता कर अर्दब में लेने की कोशिश की। शक होने पर एक अधिकारी ने मामले की जानकारी भाजपा से जुड़े दूसरे पदाधिकारी को दी। सच्चाई सामने आने के बाद हजरतगंज थाने में केस दर्ज किया गया था। इंस्पेक्टर ने बताया कि सर्विलांस की मदद से आरोपी की लोकेशन औरैया मिली और उसको वहां से गिरफ्तार किया गया।

भूत प्रेत का साया हटाने के नाम पर महिला से हुआ था सामूहिक दुष्कर्म

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना में बृहस्पतिवार रात तांत्रिक व अन्य ने भूत प्रेत का साया बताकर महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया था। यह बात महिला ने पुलिस को अपने बयानों में बताई है। इस आधार पुलिस ने छेड़छाड़ की धारा में सामूहिक दुष्कर्म की धारा बढ़ाकर आरोपी तांत्रिक और एक बाल अपचारी को रविवार को पकड़ लिया। पुलिस ने बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेज दिया। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह के मुताबिक गिरफ्तार तांत्रिक नारेंद्र कुमार पांडेय है। जबकि इसके साथी रंजीत की तलाश में पुलिस जुटी है। आशियाना निवासी युवक के मुताबिक काफी समय से पत्नी बीमार चल रही थी। ऐसे में उन्होंने तांत्रिक नरेंद्र कुमार से संपर्क किया। नरेंद्र कुमार बुधवार रात उनके घर आया और पत्नी पर भूत प्रेत का साया होने की बात कही थी। आरोपी ने जल्द पत्नी का उपचार करने की बात कही। इसके बाद वह पत्नी को कमरे में ले गया सामूहिक दुष्कर्म किया। जबकि रंजीत और बाल अपचारी कमरे के बाहर खड़ा था।

कबाड़ मार्केट से कारतूस व अन्य सामान खरीदते थे असलहा तस्कर

लखनऊ, (संवाददाता)। मलिहाबाद में अवैध असलहों की तस्करी के मामले में पुलिस ने अपनी पूरी ताकत यहां तिहरे हत्याकांड के आरोपी लल्लन खां के भतीजे ख्वाजा मोहम्मद गौस की तलाश में लगा दी है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि तस्कर शहर की अलग–अलग कबाड़ मार्केट से कारतूस व अन्य सामान खरीदते थे। पुलिस उन कबाड़ियों के बारे में भी पता लगा रही है। पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, गौस घुड़सवारी, महंगे विदेशी कुत्ते, विदेशी हथियार सहित शिकार का भी शौकीन है। वह कई राज्यों में घुड़सवारी कराने के लिए सट्टा लगाता था। वह प्रतिबंधित पशुओं का शिकार कर उनका मीट का खाने का भी शौकीन है।

अंसल कंपनी के खिलाफ दो और मामले दर्ज, 226 हुई एफआईआर की संख्या

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में अंसल कंपनी के खिलाफ ठगी के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। शनिवार को सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दो और एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसमें फ्लैट के नाम पर 9.46 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाया गया है। पीड़ितों में तेलीबाग निवासी आरती पाल और गोमतीनगर वरदान खंड निवासी अखिल अग्रवाल शामिल हैं। आरती पाल ने बताया कि 28 नवंबर 2013 को अंसल की सुशांत गोल्फ सिटी साइट में उन्होंने पांच लाख रुपये देकर एक फ्लैट बुक कराया था। इसके कुछ दिन बाद कंपनी की ओर से एक नोटिस मिला। इसमें बुकिंग राशि को बढ़ाकर सात लाख रुपये बताया गया। फ्लैट की लोकेशन भी बदल दी गई। आरती ने 6.23 लाख रुपये तक जमा कर दिए, लेकिन आज तक उन्हें फ्लैट नहीं मिला। दूसरी ओर अखिल अग्रवाल ने 2012 में अंसल के अधिकारियों से 3.46 लाख रुपये में फ्लैट बुक कराया था। लेकिन, उन्हें भी अभी कभी कब्जा नहीं मिला है। दोनों मामले की जांच सुशांत गोल्फ सिटी थाना प्रभारी उपेंद्र सिंह की देखरेख में की जा रही है। उन्होंने बताया कि दोनों शिकायतों की गहन तफ्तीश जारी है। इन दो एफआईआर के साथ अंसल कंपनी के खिलाफ लखनऊ के अलग–अलग थानों में दर्ज मुकदमों की संख्या 226 हो चुकी है। इनमें से अधिकांश शिकायतें फ्लैट बुकिंग, कब्जा न देने की हैं।

इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट की लिखित परीक्षा 19 जुलाई को, 46 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की ओर से वर्ष–2025 की हाईस्कूल इंप्रूवमेंट और कंपार्टमेंट व इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट की लिखित परीक्षा 19 जुलाई को आयोजित की गई है। परीक्षा के लिए 46,360 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। इस दौरान वाइस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरे और राउटर क्रियाशील रहेंगे। हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा सुबह 08रू30 से 11रू45 बजे तक और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट की परीक्षा दूसरी पाली में दो बजे से 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल में कंपार्टमेंट व इंप्रूवमेंट के लिए 20,759 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इनमें मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 5283, बरेली के 4142, प्रयागराज के 2575, वाराणसी के 6613 व गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के तहत 2146 आवेदन शामिल हैं। इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आए कुल 25,501 आवेदन आए हैं। इसमें से मेरठ क्षेत्रीय कार्यालय के 5291, बरेली के 3092, प्रयागराज के 6978, वाराणसी के 6973 व गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के 3167 आवेदन शामिल हैं। बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने निर्देश दिया है कि सभी परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थी, केंद्र व्यवस्थापक, अध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अतिरिक्त बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश पूर्णतया वर्जित रहेगा। केंद्र व्यवस्थापक की जिम्मेदारी होगी कि परीक्षा केंद्र के प्रवेश द्वार पर परीक्षार्थियों की अनावश्यक भीड़ एकत्रित न होने पाए। परीक्षा कक्ष के भीतर परीक्षार्थियों को मोबाइल, स्मार्ट वॉच या किसी भी प्रकार के अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वर्जित रहेंगे। साथ ही मुख्य परीक्षा के तरह ही परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्रों के रखरखाव की व्यवस्था निर्धारित स्ट्रॉन्ग रूम के डबल लॉकयुक्त आलमारी में ही की जाएगी। सीसीटीवी कैमरों से स्ट्रॉन्ग रूम की 24 घंटे निगरानी होगी। प्रधानाचार्य परिषद की वेबसाइट "नचउेह.मकन.पद से पंजीकृत परीक्षार्थी के प्रवेशपत्र डाउनलोड होंगे। प्रति हस्ताक्षरित करते हुए प्रवेश पत्र परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराए जाएंगे। आंतरिक मूल्यांकन व प्रयोगात्मक परीक्षा 11 जुलाई से वर्ष 2025 की हाईस्कूल इंप्रूवमेंट व कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए प्रोजेक्ट आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा 11 व 12 जुलाई को होगी। इंटरमीडिएट की कंपार्टमेंट प्रयोगात्मक परीक्षा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद मुख्यालय पर निर्धारित राजकीय अथवा अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों में आयोजित होगी। छात्र–छात्राएं अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य, जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से संपर्क कर प्रयोगात्मक परीक्षाओं में शामिल हो सकते हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रायोगिक परीक्षाओं की ओएमआर शीट 16 जुलाई तक क्षेत्रीय कार्यालयों में जमा करेंगे। उत्तीर्ण व अनुत्तीर्ण दोनों परीक्षार्थियों को मिलेगा मौका 10वीं और 12वीं की लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा के दोनों भागों में अनुत्तीर्ण रहे परीक्षार्थी जिस भाग में फेल हैं उसमें या फिर दोनों भागों की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

गंगा समग्र एक माह तक चलाएगा वृक्षारोपण अभियान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर काशी प्रांत के गोमती भाग के संजय जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र के हाथ से वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के एक कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने बताया कि गंगा समग्र गुरु पूर्णिमा से रक्षाबंधन तक पूरे देश में एक माह वृक्षारोपण के कार्यक्रम करता है जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता रोपण के उपरांत उसकी देखभाल का संकल्प लेते हैं। अध्यक्ष गोमती संरक्षण – गंगा समग्र एवं प्रान्त सह शैक्षणिक आयाम प्रमुख अजय कुमार ने कहा कि संगठन द्वारा आयोजित वृक्षारोपण माह के अंतर्गत लगभग 1000 पेड़ लगाने की योजना है जिसके लिए हम सभी संकल्पित हैं। डॉ अभिषेक कुमार श्रीवास्तव सह प्रांत संयोजक ने बताया कि वृक्षारोपण माह में काशी प्रांत के सभी जिलों में ग्रामीण स्तर तक संपर्क कर वृक्षारोपण की योजना है।

इस अवसर पर भाग संयोजक भृगुनाथ पाठक, गोमती भाग, जिला संयोजक डॉ संजीव मौर्या, सह नदी प्रमुख अतुल सिंह, दीपक श्रीवास्तव जिला संचार आयाम प्रमुख सहित जिला कार्यकारिणी के सदस्य की उपस्थिति रहे।

बच्चों के विद्यालय के प्रथम दिन आगमन पर तिलक लगाकर किया गया स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कंपोजिट विद्यालय रन्नो में विद्यालय ग्रीष्मावकाश पश्चात बच्चों के विद्यालय आगमन पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव तथा उनके स्टाफ द्वारा बच्चों का रोली चंदन लगाकर तथा माला पहनाकर स्वागत किया गया, बच्चों और स्टाफ द्वारा ज्ञान और बुद्धि की देवी मां सरस्वती का पूजन कर प्रार्थना की गई और इसके पश्चात लड्डू और हलवे का वितरण किया गया। ग्रीष्मावकाश पश्चात विद्यालय खुलने से बच्चे

बहुत प्रसन्न और उत्साहित दिखे, विद्यालय प्रांगण भी बच्चों के आने से गुलजार हो गया। इस अवसर पर के के सिंह,श्रीमती जाहिरा बेगम, ओम प्रकाश यादव,प्रदीप कुमार गौतम, आलोक कुमार, आशीष दूबे, अलमदार, समस्त रसोइया सहित अभिभावक भी मौजूद थे ।

पुलिस को चमका देकर भागे पांच पशु तस्कर गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। खोराबार इलाके में पुलिस ने रविवार को पांच पशु तस्करों को क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पहचान खजनी इलाके के भीटी खोरिया निवासी बृजभूषण पांडेय उर्फ मोनू, बांसगांव के पीढ़ीयां निवासी शुभम चौहान, बांसगांव के बरपार निवासी अंकित गौड़, बसौली बुजुर्ग निवासी अमित चौहान व बरपार निवासी संदीप सिंह के रूप में हुई। विगत दिनों पुलिस को चकमा देकर तस्कर भाग गए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह कुशीनगर से देवरिया होते हुए पशुओं को लेकर छपरा बिहार चले जाते थे। वहां पर पशुओं को बेचकर आते थे। इसके पहले भी आरोपी खजनी थाने से जेल जा चुके हैं। जमानत पर बाहर आने के बाद फिर से तस्करी करने लगते थे। खोराबार एसओ इत्यानंद पांडेय की टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया कि 27 जून को रामनगर कड़जहां के पास पशु तस्करों के आने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने रात में ही घेराबंदी की तो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग गए थे। इस दौरान पुलिस ने पशु लदे पिकअप को बरामद कर लिया था।

पात्र मुसहर समुदाय के लाभार्थियों को किया जा रहा है योजनाओं से संतृप्त

कुशीनगर, (संवाददाता)। जिला प्रशासन ने लाभार्थी परक योजनाओं से मुसहर समुदाय के लाभार्थियों को शत प्रतिशत संतृप्तिकरण हेतु चलाए जा रहे अभियान की प्रगति रिपोर्ट जारी किया है। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद के विभिन्न विकास खंडों के चिन्हित 43 मजरों में मुसहर परिवारों को प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं से संतृप्तिकरण अभियान के अंतर्गत लाभान्वित किया गया है। ग्राम्य विकास द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण तथा मुख्यमंत्री आवास योजना से 676 लाभार्थियों, मनरेगा के अंतर्गत 619 श्रमिकों का जॉब कार्ड, 1822 लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूह से लिंकेज, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अंतर्गत 2706 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड, जननी सुरक्षा योजना से 154 महिलाओं को लाभान्वित,समाज कल्याण द्वारा संचालित वृद्धा पेंशन से 207 लाभार्थियों कोलाभान्वित, निराश्रित महिला पेंशन योजना अंतर्गत 97 लाभार्थियों को, दिव्यांग पेंशन योजना से 42 लाभार्थियों को, खाद्य आपूर्ति अंतर्गत 376 परिवारों को राशन कार्ड योजना से लाभान्वित,बाल विकास एवं महिला कल्याण द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में 329 बच्चों का नामांकन, पंचायतीराज विभाग द्वारा व्यक्तिगत शौचालय से 557 लाभार्थियों को आच्छादित किया गया है।

ग्यारह हजार विद्युत की चपेट में आने से प्राइवेट लाइनमैन की मौत

कुशीनगर, (संवाददाता)। जनपद के कसया तहसील के ग्राम सभा कुड़वा दिलीपनगर के फुलवा पट्टी में रविवार को विद्युत फाल्ट ठीक कर रहे एक प्राइवेट लाइनमैन की 11 हजार लाइन की चपेट में आकर मृत्यु हो गई। मौके पर पहुचे परिजनों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा किया।थाना प्रभारी ओमप्रकाश तिवारी ने दोषियों पर कार्रवाई का अस्वाशन दिया तब परिजन शव को पीएम को तैयार हुए।कसया थाने के धुरिया गांव निवासी 35 वर्षीय अमित तिवारी विगत तीन वर्षों से प्राइवेट लाइनमैन का कार्य करते थे। रविवार को दोपहर वे फुलवापट्टी गाव के ट्रांसफार्मर के पास फाल्ट ठीक कर रहे थे। इसी दौरान वे विद्युत चपेट में आये ।

दीर्घकाल से कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए : मनोज कक्कड़

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ.बैंक अधिकारी रहे मनोज कक्कड़ ने कहा कि इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से हम देश की जनता एवं संबंधित शासकीय तंत्र का ध्यान देशभर के क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ हो रही दीर्घकालिक अन्यायपूर्ण स्थिति की ओर आकृष्ट कराना चाहते हैं।

इन कर्मचारियों की निरंतर और न्यायोचित मांगों की अनदेखी तथा संवाद की अनुपस्थिति को देखते हुए, अखिल भारतीय ग्रामीण बैंक अधिकारी संगठन तथा अखिल भारतीय ग्रामीण बैंक वर्कर्स संगठन जो कि भारतीय मजदूर संघ (ठडै) से संबद्ध हैं कृ ने एक चरणबद्ध आंदोलन आरंभ करने का निर्णय लिया है, ताकि त्ल्ठ कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं को उजागर किया जा सके।

मुख्य मांगें

1. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के IPO प्रस्ताव को तत्काल वापस लिया जाए ताकि इन बैंकों की ग्रामीण और सार्वजनिक प्रकृति बनी रहे।
2. स्थानांतरण नीति की विसंगतियों को दूर किया जाए।
3. सेवा शर्तों में पूर्ण समानता (अवकाश नियम, स्टाफ ऋण, लीज आवास, भत्ते आदि) लागू की जाए और 12वां द्विपक्षीय एवं 9वां संयुक्त नोट बिना किसी विचलन के लागू किया जाए।
4. पर्याप्त भर्ती की जाए एवं पदोन्नति नीति को वाणिज्यिक बैंकों के अनुरूप किया जाए।
5. "राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक" का गठन किया जाए जिसमें प्रत्येक त्ल्ठ का राज्य–आधारित संचालन क्षेत्र यथावत रहे।
6. दीर्घकाल से कार्यरत अस्थायी कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए।
7. सभी परिलाभों का खर्च बैंक प्रबंधन द्वारा वहन किया जाए।
8. RRB ट्रेड यूनियनों को प्ठ। के साथ होने वाली सभी वार्ताओं में शामिल किया जाए एवं प्रमुख पदाधिकारियों को विशेष अवकाश प्रदान किया जाए।
9. पाँच–दिवसीय बैंकिंग और पुरानी पेंशन योजना जैसी लंबित मांगों को तुरंत लागू किया जाए।

आंदोलन की रूपरेखा

1 एवं 2 जुलाई 2025 काली पट्टी लगाकर विरोध

9 जुलाई 2025 मध्याह्न ६ कार्यदिवस अंत में प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपना

25 जुलाई 2025 RRB मुख्यालयों पर धरना

22 अगस्त 2025 एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल

यह आंदोलन किसी प्रकार की राजनीतिक प्रेरणा से नहीं, बल्कि न्याय, गरिमा और समानता के लिए हमारी नैतिक और व्यावसायिक बाध्यता है। हम भारत सरकार, वित्त मंत्रालय और नाबार्ड से अपील करते हैं कि वे त्वरित हस्तक्षेप कर संवाद की प्रक्रिया शुरू करें और इन मुद्दों का समाधान करें। अन्यथा, हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के अंतर्गत इस आंदोलन को और अधिक तेज करने के लिए विवश होंगे।0

दोस्त को स्टेशन छोड़ने गया युवक घायल, इलाज के दौरान मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिपराइच थाना क्षेत्र में गोरखपुर–महराजगंज फोरलेन के किनारे शनिवार रात गंभीरावस्था में युवक मिला। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से अजय मोदनवाल (29) को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रात में गांव के युवक को गोरखपुर रेलवे स्टेशन छोड़ने साथी के साथ आया था। साथी तो घर पहुंच गया लेकिन घटना कैसे हुई इसकी जानकारी वह नहीं दे सका। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के परसा गिदही निवासी अजय मोदनवाल (29) शिकारपुर में चाय की दुकान चलाते थे। भाई संदीप ने बताया कि शनिवार शाम गांव के रहने वाले युवक को अजय अपने एक साथी के साथ गोरखपुर रोडवेज स्टेशन छोड़ने ऑटो से गए थे। देर रात सूचना मिली कि अजय पिपराइच क्षेत्र के सेलिब्रेशन मैरिज हाल के सामने घायलावस्था में हैं। घरवालों ने उसके साथी के नंबर पर संपर्क किया तो वह अपने घर पर मिला। वह मामले के बारे में कुछ बता भी नहीं पा रहा। अजय चार भाइयों में सबसे छोटे थे। मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

संदिग्धावस्था में महिला की मौत मामले में सात पर केस दर्ज

गोरखपुर, (संवाददाता)। चौरीचौरा थानाक्षेत्र के पंसरही गांव के बड़का टोला में शनिवार शाम को सुनैना (24) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मायके वालों की तहरीर पर चौरीचौरा पुलिस ने पति सत्येंद्र, जेठ जितेंद्र, ससुर रामचरन, सास, जेठानी और ननद समेत सात लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज किया है। सुनैना पासवान की मौत की सूचना पुलिस को रात नौ बजे मिली थी। मौके पर पहुंचे सीओ अनुराग सिंह, प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा और फॉरेंसिक टीम ने जांच की थी। पता चला कि सुनैना और उसके पति के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद पति खेत की तरफ चला गया। इसी बीच उसे पता चला कि पत्नी ने खुदकुशी कर ली है। इस पर पति ने अपना सिर फोड़ लिया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, महिला ने फंदा लगाया था। पुलिस पहुंची तो शव को नीचे उतार दिया गया था। सुनैना के भाई नीरज ने पुलिस को तहरीर देकर हत्या का आरोप लगाया। वह कुशीनगर जिले के रामकोला थानाक्षेत्र के बिहुलिया की निवासी थी। सीओ अनुराग सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट होगा।

विश्व हिन्दू महासंघ के तीसरी बार जिलाध्यक्ष बने अखिलेश सिंह

बस्ती, (संवाददाता)। विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने अखिलेश सिंह को तीसरी बार विश्व हिन्दू महासंघ का जिलाध्यक्ष घोषित किया है। रविवार को राजभवन बस्ती में राजमाता आशिमा ने अखिलेश सिंह को आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही अनेक प्रान्तीय पदाधिकारियों ने फूल मालाओं के साथ अखिलेश सिंह का स्वागत करते हुये कहा कि उनके तीसरा कार्यकाल और रचनात्मक होगा। हिन्दू हितों की रक्षा के लिये वे लगातार प्रयत्नशील है और संगठन को ग्राम पंचायत स्तर पर विकसित कर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।तीसरी बार विश्व हिन्दू महासंघ का जिलाध्यक्ष घोषित किये जाने पर अखिलेश सिंह ने कहा कि उनका पूरा प्रयास होगा कि दिशा निर्देश के अनुरूप संगठन के कार्यों का आगे बढाया जाय। अति शीघ्र

पदाधिकारियों की घोषणा के साथ ही उनका भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। राजमाता आशिमा सिंह ने कहा कि अखिलेश सिंह का प्रयास सराहनीय है। वे निरन्तर हिन्दू हितों की रक्षा के लिये प्रयत्नशील है।प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना, प्रदेश मंत्री, दिग्विजय किशोर शाही, छेदी यादव, संभाग प्रभारी गोरक्ष प्रांत, डॉ कमलेश शाही, बस्ती मंडल प्रभारी डॉ सतीश चंद्र मिश्रा आदि ने तीसरी बार अखिलेश सिंह को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि निश्चित रूप से वे अपनी रचनात्मक पहल को और गति देंगे।कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अभय प्रताप सिंह रघुवंशी, विक्रांत प्रताप सिंह, अजय मिश्रा,प्रदेश मंत्री, आदित्य सिंह , सौरभ तिवारी, मातृ शक्ति अध्यक्ष श्रीमती पूनम सिंह ,श्रीमती अनुसूईया पाण्डेय, मुनेश्वर यादव संत पृथ्वीराज यादव एडवोकेट, राजेश कुमार त्रिपाठी, अर्पण श्रीवास्तव, चंदन, राकेश सिंह, सतीश पाण्डेय, पप्पू, प्रमोद पाण्डेय, सुमित निषाद, निखिल श्रीवास्तव, राहुल कुमार, विनय प्रजापति, बृजलाल चौधरी, धर्मेंद्र गौड़, राम मूरत सोनकर, संदीप कनौजिया के साथ ही विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक लोग उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में चली गोली एक घायल

बस्ती, (संवाददाता)। छावनी थाना क्षेत्र के बहवा कलानी गांव में रविवार की सुबह हुए विवाद में गोली चलने से एक व्यक्ति घायल हो गया ।राम सूरत 59 पुत्र राम मिलन तिवारी ने 2 वर्ष पहले गांव में एक व्यक्ति से जमीन बैनामा लिया था सुबह उसी खेत में धान की रोपाई के लेवा लगवा रहे थे कि मौके पर उक्त गांव निवासी लालमनि 60 पुत्र राम अजोर मौके पर पहुंच कर विरोध करने लगे और दोनो पक्षों में वाद विवाद शुरू गया। आक्रोशित हुये लालमन ने राम सूरत पर फायर कर दिया । गोली चलने की आवाज से गांव में हड़कम्प मच गया और सूचना पुलिस को दी गयी। इधर स्वजन घायल को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत पहुंचे जहां जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल को ट्रामा सेंटर दर्शन नगर के लिए रेफर कर दिया गया। थाना अध्यक्ष छावनी जनार्दन प्रसाद ने बताया कि दो पक्षों के बीच में कुछ वर्षों से जमीनी विवाद चल रहा था जिसमें सुबह खेत जोतने को मना करने से उठे विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर फायर कर दिया घटना की छानबीन की जा रही है जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्यवाही की जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर मजदूरों का जीवन बचाने का लिया संकल्प

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी मजदूर सभा ने पीडीए के महानायक, सामाजिक न्याय के योद्धा और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 52 वें जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए मजदूरों के लिए नि:शुल्क जाँच व चिकित्सा शिविर आयोजित कर उनकी जांच और उपचार कराया तथा उनको विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया । समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव की ओर से मंगलवार सुबह आठ बजे जौनपुर शहर शाहगंज पड़ाव के पास लेबर चौराहा पर आयोजित शिविर में डॉक्टरों टीम ने मजदूरों की विभिन्न परेशानी सुनीं। उनकी जांच शुरू की और दवाएं उपलब्ध कराईं। इस दौरान हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. आलोक यादव, डा. नरेन्द्र यादव, डा. पूजा यादव, डा. बीके यादव, डॉ. मो० आसिम राईन सहित अन्य डॉक्टरों ने मजदूरों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताए। उन्हें समझाया कि अपनी दिनचर्या के बीच कैसे खुद को स्वास्थ्य रखें? जिन मजदूरों ने जोड़ों में दर्द, कंधे में खिंचाव, सिर में अक्सर होने वाले दर्द सहित अन्य समस्याएं बताई उन्हें उपचार और एक्सरसाइज बताया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि पीडीए की सेवा करने का जज्बा हमें विरासत में मिला है। हमारी कोशिश है कि इस जज्बे को कायम रखें। हमारे परिवार की परंपरा है कि हम किसी को दुखी नहीं देख सकते हैं। हमारे आराध्य नेता पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री अखिलेश यादव जी यही भी चाहते हैं कि प्रदेश का हर नागरिक खुशहाल हो। इसी वजह से उनके जन्मदिन

पर जश्न मनाने के बजाय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जब हमारा मजदूर खुश होगा। पीड़ा रहित होगा तभी प्रदेश और देश में खुशहाली आएगी। अमीर और सुविधा संपन्न लोग निजी कारपोरेट अस्पताल में उपचार करा सकते हैं लेकिन रोज कमाने खाने वालों के लिए यह संभव नहीं है। यही वजह है कि हम डॉक्टरों की टीम लेकर खुद मजदूरों के पास पहुंचे हैं ताकि उनका दर्द दूर कर सकें। कार्यक्रम का संचालन मंजय कन्नौजिया और अध्यक्षता मनोज कुमार शर्मा ने किया। चिकित्सक दिवस पर मजदूरों का उपचार करने वाले डॉक्टरों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई साथ ही उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. आलोक यादव, डा. नरेन्द्र यादव, डा. पूजा यादव, डा. बीके यादव, डॉ. मो० आसिम राईन सहित अन्य डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर जिस तरह से मरीजों की सेवा हुई है। वह यादगार है। जौनपुर ही नहीं पूरे प्रदेश में यह अपने आप में अलग तरह का कार्यक्रम है। उन्होंने डॉक्टरों से अपील की कि गरीब मजदूरों की सेवा के लिए तत्पर रहें। उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने में अपना योगदान दें। यही असली समाजवाद है। हम समाजवादी लोग हर वर्ग व समाज को खुशहाल बनाने की मुहिम पर निकले हैं। यह मुहिम डॉक्टरों की मदद से अंजाम तक पहुंचेगी।

गोरखपुर से सुबह 150 यात्रियों को लेकर रवाना हुई, 12 दिनों की होगी धार्मिक यात्रा

गोरखपुर, (संवाददाता)। सोमवार की सुबग भारत गौरव ट्रेन 150 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। आईआरसीटीसी इन यात्रियों को सात ज्योतिर्लिंग और धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगा। सोमवार को प्लेटफार्म नंबर एक से ट्रेन रवाना हुई। आईआरसीटीसी की तरफ से सभी यात्रियों की स्वागत किया गया। देश के सात ज्योतिर्लिंग और धार्मिक स्थलों का दर्शन कराने के लिए भारत गौरव स्पेशल ट्रेन सोमवार को रवाना हो गई। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) की ओर से चलाई जा रही ट्रेन गोरखपुर से सुबह नौ बजे चली, जो 12 दिनों की यात्रा कराने के बाद ट्रेन 11 जुलाई को लौटेगी। ट्रेन में स्लीपर और एसी श्रेणी के कोच लगाए गए हैं। कुल 620 बर्थ में 359 बुक हो चुकी है, इसमें एसी श्रेणी की सभी सीटें बुक हो गई हैं। ट्रेन जिन स्टेशनों से होकर गुजरेगी, अगर कोई यात्री वहां से सफर करना चाहेगा तो उसका टिकट ट्रेन में भी बन

जाएगा। एनईआर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन में चढ़ने व उतरने के लिए गोरखपुर, मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर सेन्ट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं0 (झांसी) तथा ललितपुर स्टेशनों पर सुविधा दी गई है। यात्रा के लिए लखनऊ, गोमतीनगर स्थित आईआरसीटीसी के कार्यालय से अथवा पर टिकट बुक किया जा सकता है। ट्रेन में शयनयान श्रेणी के 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का 01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, जनरेटर सह लगेज यान के 02 तथा पेंट्रीकार के 01 कोच समेत कुल 14 आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। 00501 भारत गौरव पर्यटक ट्रेन 30 जून को गोरखपुर से सुबह 9:00 बजे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से रवाना हुई। दूसरे दिन एक जुलाई को उज्जैन, दो जुलाई को उज्जैन से चलेगी और तीन जुलाई को द्वारका में, चार जुलाई को द्वारका से छूटकर पांच जुलाई को वेरावल से चलकर नासिक में हाल्ट करेगी। नासिक से सात जुलाई छूटकर खदकी में और आठ जुलाई को खदकी से वापसी यात्रा के लिए चलेगी। 11 जुलाई को गोरखपुर शाम 6:40 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी।

दिनदहाड़े घर में घुसीं दो महिलाओं को ग्रामीणों ने दौड़ाकर पकड़ा

गोरखपुर, (संवाददाता)। पिपरडाडी में रविवार सुबह बोलेरो से पहुंचीं छह महिलाओं में से दो शेरसिंह यादव के घर में घुस गईं। उन्होंने घर की महिलाओं को एक कमरे में बंद कर दिया। इस पर महिलाओं ने शोर मचाया तो जुटे ग्रामीणों ने भाग रहीं दोनों महिलाओं को पकड़ लिया। वहीं, गाड़ी से भाग रहीं अन्य महिलाओं को भी मैभरा गांव के पास पकड़ लिया। मौके पर पहुंची बड़हलगंज पुलिस सभी को हिरासत में लेकर थाने पर पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह बोलेरो पर सवार छह महिलाएं व एक पुरुष बैरियाखास के रास्ते पिपरडाडी पहुंचे। गाड़ी रुकने के बाद उसमें दो महिलाएं उतरकर गांव के बीच गली में घूमकर वापस आईं। इसके बाद गांव के किनारे स्थित शेरसिंह के घर में घुस गईं। घर में सिर्फ महिलाएं ही मौजूद थीं। आरोप है कि अंदर घुसी दोनों महिलाओं ने सभी को एक कमरे में बंद कर दिया। इस पर महिलाएं चोर–चोर कहकर शोर मचाने लगीं। शोर सुन ग्रामीण दौड़े तो दोनों महिलाएं गाड़ी की तरफ भागने लगीं। लेकिन, रास्ते में उन्हें पकड़ लिया गया। वहीं, यह देख गाड़ी में बैठीं महिलाओं को लेकर चालक खोहियापट्टी डेरवा मार्ग से भागने लगा। ग्रामीणों ने पीछा कर मैभरा गांव के पास उन्हें भी पकड़ लिया। आरोप है कि चालक ने रास्ते में बाइक सवार दो युवकों को टक्कर भी मार दिया। थानाध्यक्ष चंद्रभान सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने आशंका के आधार बोलेरो सवार छह महिला व एक युवक को पकड़ा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को थाने लाकर पूछताछ की। महिलाएं मऊ जिले के कोपागंज की रहने वाली हैं।अभी किसी ने तहरीर नहीं दी है।

किशोरी के साथ दुष्कर्म, आरोपी मामा गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। क्षेत्र में गर्मी की छुट्टी में ननिहाल आई किशोरी के साथ रिश्ते के मामा ने दुष्कर्म किया। किशोरी ने शोर मचाया तो आरोपी वहां से भाग गया। घटना की जानकारी होने पर परिजनों ने चिलुआताल थाने में केस दर्ज कराया। रविवार को पुलिस ने आरोपी जय कुमार को क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।